घोड़ों के स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय कार्यशाला एवं विचार-मंथन सत्र सफलतापूर्वक संपन्न

मुक्तेश्वर, उत्तराखंड, 5 मार्च 2025 – आईसीएआर-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), मुक्तेश्वर द्वारा **"घोड़ों के स्वास्थ्य के नए आयाम: उभरती चुनौतियों का समाधान"** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला एवं विचार-मंथन सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ब्रूक इंडिया, भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), रिमाउंट वेटरनरी कॉर्प्स (आरवीसी), उत्तराखंड पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक और आईवीआरआई मुक्तेश्वर के छात्र सहित कुल 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन आईवीआरआई मुक्तेश्वर के संयुक्त निदेशक, **डॉ. वाई.पी.एस. मलिक** के स्वागत भाषण से हुआ। इसके पश्चात **कर्नल जयविंदर** (यूबी क्षेत्र, बरेली) और **डॉ. एस.के. सिंह,** संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान ने अपने विचार व्यक्त किए। **मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर जे.एस. धर्मधीरण** (सेवानिवृत्त), सीईओ, ब्रूक इंडिया ने घोड़ों के स्वास्थ्य और प्रबंधन में ब्रूक इंडिया के योगदान पर चर्चा की। कार्यक्रम के सफल संचालन में **डॉ. दीपीका बिष्ट** ने उत्कृष्ट एंकरिंग करते हुए सत्रों का समन्वय किया।

तकनीकी सत्र की अध्यक्षता **कर्नल जयविंदर** (यूबी क्षेत्र, बरेली) ने की, जबकि **डॉ. मोहित वर्मा (सेकंड-इन-कमांड, आईटीबीपी)** सह-अध्यक्ष रहे। इस सत्र में विभिन्न विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। **डॉ. वाई.पी.एस. मलिक** ने "आईवीआरआई मुक्तेश्वर का पशु स्वास्थ्य में योगदान" विषय पर जानकारी दी। **डॉ. दिनेश गुप्ता** ने "ब्रूक इंडिया द्वारा घोड़ों के स्वास्थ्य और प्रबंधन में किए गए प्रयासों" पर चर्चा की। **डॉ. मोहनसुंदरम** (डिप्टी कमांडेंट, आईटीबीपी, देहरादून) ने "आईटीबीपी और हिमालयी क्षेत्रों में चार पैर वाले योद्धाओं की भूमिका" पर व्याख्यान दिया। **डॉ. ए.एम. पवडे** (प्रधान वैज्ञानिक, आईवीआरआई, इज्जतनगर) ने "खच्चरों में लंगड़ापन प्रबंधन" पर जानकारी दी। **डॉ. बबलू कुमार** (प्रधान वैज्ञानिक, आईवीआरआई, इज्जतनगर) ने "आईवीआरआई की नवाचार तकनीकों और पशु रोग निदान" पर व्याख्यान दिया।

तकनीकी सत्र के बाद विचार-मंथन सत्र आयोजित किया गया, जिसका संचालन **डॉ. वाई.पी.एस. मलिक** और ब्रूक इंडिया के **डॉ. दिनेश गुप्ता** ने किया। इस सत्र में जीवाणुरोधी प्रतिरोध (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस), संक्रामक रोगों और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने घोड़ों के स्वास्थ्य से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर अपने विचार रखे और संभावित समाधान सुझाए।

कार्यशाला के दौरान 30 पशुपालकों को परामर्श सेवाएं दी गईं, जिसमें **डॉ. ए.एम. पवडे** द्वारा खच्चरों की नैदानिक जांच और स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। पशुपालकों को स्वास्थ्य सुधार के लिए आवश्यक इनपुट भी वितरित किए गए, जिनमें खनिज मिश्रण (मिनरल मिक्सचर), कृमिनाशक (एंथेलमेंटिक) और संतुलित आहार (कंसंट्रेट फीड) शामिल थे।

कार्यशाला के उपरांत प्रतिभागियों ने आईवीआरआई मुक्तेश्वर परिसर और प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया, जिसका नेतृत्व **डॉ. नितीश सिंह खरायत** (वैज्ञानिक, आईवीआरआई मुक्तेश्वर) ने किया।

समापन सत्र में **डॉ. वाई.पी.एस. मलिक** ने कार्यशाला की उपलब्धियों को संक्षेप में प्रस्तुत किया और **डॉ. सिद्धार्थ गौतम** (वैज्ञानिक, आईवीआरआई मुक्तेश्वर) ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस आयोजन की सफलता में **डॉ. निधि शर्मा, डॉ. करम चंद और डॉ. विशाल चंदर** का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्होंने आयोजन की रूपरेखा को प्रभावी ढंग से निष्पादित किया।

इस कार्यशाला के सफल आयोजन में आयोजन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। **मुख्य संरक्षक डॉ. त्रिवेणी दत्त** (निदेशक, आईसीएआर-आईवीआरआई, इज्जतनगर) थे, जबकि **डॉ. यशपाल सिंह मलिक** (संयुक्त निदेशक, आईवीआरआई मुक्तेश्वर) ने अध्यक्षता की। संयोजक के रूप में **डॉ. सोहिनी डे** (संयुक्त निदेशक, सीएडीआरएडी, आईवीआरआई, इज्जतनगर) ने कार्यभार संभाला। समन्वयं **डॉ. सिद्धार्थ गौतम** और **डॉ. नितीश सिंह खरायत** रहे, जबकि सह-समन्वयं **डॉ. मधुसूदन ए.पी.** और **डॉ. आशुतोष फुलार** थे।

यह कार्यशाला वैज्ञानिकों, पशु चिकित्सकों और नीति निर्माताओं के बीच एक महत्वपूर्ण संवाद मंच साबित हुई, जिसमें घोड़ों के स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों और उनके प्रभावी समाधानों पर विचार-विमर्श हुआ। यह आयोजन पशु स्वास्थ्य क्षेत्र में अनुसंधान और नीति निर्माण के लिए प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

प्रतिभागियों और विशेषज्ञों का समूह चित्र

उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि

अश्व पालकों को सामग्री वितरण

पशुओं का नैदानिक परीक्षण एवं नमूना संग्रह

तकनीकी सत्र के दौरान विशेषज्ञ द्वारा प्रस्तुति

समापन समारोह के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह वितरण